पाठ - सुनीता की पहिया कुर्सी

कठिन शब्द -

- चमक आना
- फुर्ती
- रोज़ाना
- रसोईघर
- झोला
- टुकुर-टुकुर
- कद
- पैडिल
- अजीबोगरीब

शब्दार्थ -

1. चमक आना - चमकना
2. फुर्ती - तेजी से
3. रोज़ाना - हर दिन, नियमित रूप से
4. रसोईघर - रसोई, खाना बनाने का कमरा
5. झोला - थैला, बैग
6. टुकुर-टुकुर - टकटकी लगाकर देखना, घूरना
7. कद - ऊंचाई
8. पैडिल - पैर से चलने वाला वाहन
9. अजीबोगरीब - अजीब, अनोखा

कहानी से

प्रश्न - सुनीता को सब लोग गौर से क्यों देख रहे थे?

उत्तर- सुनीता को सबलोग गौर से इसलिए देख रहे थे क्योंकि वह पहिया-कुर्सी पर बैठकर अकेले सड़क पर जा रही थी।

प्रश्न - सुनीता को दुकानदार का व्यवहार क्यों बुरा लगा?

उत्तर- दुकानदार ने सुनीता को चीनी की थैली पकड़ने के लायक नहीं समझा। उसे लगा कि वह शारीरिक रूप से कोई

egyanarchive

काम करने में अक्षम है। इसलिए उसने चीनी की थैली उसकी गोद में डाल दी। उसकी ऐसा व्यवहार सुनीता को बुरा लगा क्योंकि दुकानदार की सोच के विपरीत वह अपना सामान स्वयं ले सकती थी।

मज़ेदार

सुनीता को सड़क की जिंदगी देखने में मज़ा आता है।

(क) तुम्हारे विचार से सुनीता को सड़क देखना अच्छा क्यों लगता होगा?

उत्तर-

सुनीता को सड़क देखना अच्छा इसलिए लगता होगा क्योंकि वह अपने पैरों से चलने-फिरने में असमर्थ थी। इस वजह से उसे बाहर निकलने का मौका बहुत कम मिलता था। और जब कभी उसे ऐसा मौका मिल गया वह सड़क के चहल-पहल को देखकर खुश हो जाती।

(ख) अपने घर के आसपास की सड़क को ध्यान से देखो और बताओ-

- तुम्हें क्या-क्या चीजें नज़र आती हैं?
- लोग क्या-क्या करते हुए नज़र आते हैं?

उत्तर-

- सड़क पर चलते लोग, सब्जियों-फलों के ठेले, साइकिल पर सवार ताला-चाबी बनाने वाले, स्कूटर, बाइक आदि चीजें नजर आती हैं।
- लोग सड़क पर चलते हुए, बातें करते हुए, स्कूटर रिक्शा बाइक आदि चलाते हुए नजर आते हैं।

मनाही

फ़रीदा की माँ ने कहा, "इस तरह के सवाल नहीं पूछने चाहिए।"

फ़रीदा पहिया कुर्सी के बारे में जानना चाहती थी पर उसकी माँ ने उसे रोक दिया।

- माँ ने फ़रीदा को क्यों रोक दिया होगा?
- क्या फ़रीदा को पहिया कुर्सी के बारे में नहीं पूछना चाहिए था? तुम्हें क्या लगता है?
- क्या तुम्हें भी कोई काम करने या कोई बात कहने से मना किया जाता है? कौन मना करता है? कब मना करता है?

उत्तर-

- माँ ने फ़रीदा को इसलिए रोक दिया होगा क्योंकि उनके विचार में किसी अपंग व्यक्ति से ऐसा सवाल करना उसके दिल को तकलीफ पहुँचाना है।
- फ़रीदा बहुत छोटी थी। उसे क्या पता कि ऐसा सवाल उसे पूछना चाहिए या नहीं? हाँ अगर उसने पूछ ही लिया तो बहुत बड़ी गलती नहीं की। वह जिज्ञासावश उस पहिया कुर्सी के बारे में जानना चाहती थी।

egyanarchive

- हाँ, मुझे भी कुछ काम करने या कुछ बातें कहने से मना किया जाता है। मेरे माता-पिता और शिक्षक मुझे कुछ कामों से मना करते हैं, जैसे:
    - देर रात तक जागना
    - अनुचित बातें करना
    - झूठ बोलना
    - लड़ाई करना
    - अनुमति के बिना बाहर जाना

मैं भी कुछ कर सकती हूँ

(क) यदि सुनीता तुम्हारी पाठशाला में आए तो उसे किन-किन कामों में परेशानी आएगी?

उत्तर- कक्षा में प्रवेश करने के लिए सीढ़ियाँ चढ़ने में और कक्षा से बाहर आने के लिए सीढ़ियों से उतरने में, अपनी कक्षा के बच्चों के साथ खेलने में परेशानी आएगी।

(ख) उसे यह परेशानी न हो इसके लिए अपनी पाठशाला में क्या तुम कुछ बदलाव सुझा सकती हो?

उत्तर- पाठशाला में रैम्प होने चाहिए। एक सहायक की नियुक्ति होनी चाहिए जिसका काम होगा सुनीता जैसे बच्चों की मदद करना।

प्यारी सुनीता

सुनीता के बारे में पढ़कर तुम्हारे मन में कई सवाल और बातें आ रही होंगी। वे बातें सुनीता को चिट्ठी लिखकर बताओ।

उत्तर-

ए-10, गुरु अंगद नगर, लक्ष्मी नगर
नई दिल्ली
दिनांक-19 मई 2012

प्रिय सुनीता,

तुम्हारी हिम्मत और धैर्य प्रशंसा के योग्य है। यह बहुत अच्छी बात है कि तुम स्वयं को अन्य बच्चों से अलग नहीं महसूस करती और वे सारे काम करने को तैयार रहती जो वे करते हैं। तुम वाकई बहुत पक्के इरादों वाली लड़की हो। पहिया-कुर्सी के सहारे कहीं भी चली जाती हो। उन लोगों का परवाह नहीं करती जो तुम्हें एकटक निहारते। हैं। मैं तुम्हारी शुभचिंतक हूँ। पत्र का जवाब जरूर देना।

तुम्हारी प्रिय सहेली
रचना

egyanarchive

कहानी से आगे

सुनीता ने कहा, "मैं पैरों से चल ही नहीं सकती।"

(क) सुनीता अपने पैरों से चल-फिर नहीं सकती। तुमने पिछले साल पर्यावरण अध्ययन की किताब आस-पास में रवि भैया के बारे में पढ़ा होगा। रवि भैया देख नहीं सकते फिर भी वे किताबें पढ़ लेते हैं।

(i) वे किस तरह की किताबें पढ़ सकते हैं?

उत्तर- वे ब्रेल लिपि में लिखी किताबें पढ़ सकते हैं।

(ii) उस तरह की किताबों के बारे में सबसे पहले किसने सोचा?

उत्तर- उस तरह की किताबों के बारे में सबसे पहले लुई ब्रेल ने सोचा।

(ख) आस-पास में कुछ ऐसे लोगों के बारे में भी बात की गई है जो सुन-बोल नहीं सकते हैं।

(i) क्या तुम ऐसे किसी बच्चे को जानते हो जो सुन-बोल नहीं सकता?

उत्तर- हाँ, मेरे पड़ोस में एक लड़का है। उसका नाम रवि है। वह सुन-बोल नहीं सकता।

(ii) तुम उसे किस तरह से अपनी बात समझाते हो?

उत्तर- मैं उसे हाथों और चेहरे के इशारों से अपनी बात समझाता हूँ।

मेरा आविष्कार

सुनीता जैसे कई बच्चे हैं। इनमें से कुछ देख नहीं सकते तो कुछ बोल या सुन नहीं सकते। कुछ बच्चों के हाथों में परेशानी है, तो कुछ चल नहीं सकते।

तुम ऐसे ही किसी एक बच्चे के बारे में सोचो। यदि तुम्हें कोई शारीरिक परेशानी है, तो अपनी चुनौतियों के बारे में भी सोचो।

- उस चुनौती का सामना करने के लिए तुम क्या आविष्कार करना चाहोगे? उसके बारे में सोचकर बताओ कि तुम वह कैसे बनाओगे?
- उसे बनाने के लिए किन चीज़ों की ज़रूरत होगी?
- वह चीज़ क्या-क्या काम कर सकेगी?

उस चीज़ का चित्र भी बनाओ।

उत्तर-

मैं एक ऐसी दवा का आविष्कार करूँगा जिसे खाते ही गूंगे बोलने लगेंगे, बहरे सुनने लगेंगे, अंधे देखने लगेंगे, लंगड़े चलने लगेंगे।

egyanarchive